

# मोहब्बत हो तो रास्ते मिलते हैं

**रजा सम्मान समारोह आज**

■ भोपाल, 17 फरवरी, नवभारत संवाददाता. ■

सुविख्यात चित्रकार सैयद हैदर रजा ने कहा कि अपने फन के साथ मोहब्बत जरूरी है. मोहब्बत हो रास्ते खुद ब खुद मिलते जाते हैं. यह बात रजा ने नवभारत के साथ एक अनौपचारिक चर्चा में व्यक्त किए. वह कला परिषद द्वारा स्थापित रजा पुरस्कार समारोह में भाग लेने भोपाल आए हुए हैं. यह आयोजन कला परिषद की दीर्घा में आयोजित किया जाएगा. कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्कृति मंत्री अजय सिंह करेंगे. श्री रजा ने कहा कि मेरी वतन से मोहब्बत मुझे बार बार यहां लाती है. यहां की धरती से, नदियों से पहाड़ों और प्रकृति से बहुत कुछ ग्रहण करता हूं. श्री रजा इस वर्ष का रुपंकर कला के लिए मनीष रत्नापारिख को रजा पुरस्कार प्रदान करेंगे. वहीं प्रकाश पाटीदार, शबनम शाह, किशोर डांगले, अर्चना मिश्रा, माना रघुवंशी को नगद पुरस्कार



**चित्रकार सैयद हैदर रजा अपनी कृति के साथ.**

प्रदान करेंगे. सुश्री बीणा, शाइस्ता शेख, विनीता चांडक, नागेश शर्मा, को सांत्वना पुरस्कार प्रदान करेंगे. इस वर्ष का कविता के लिए रजा पुरस्कार प्रेम शंकर शुक्ल को उनके कविता संग्रह कुछ आकाश के लिए दिया जाएगा.